न्यूज डायरी

चीन ने ताइवान की आजादी पर अमेरिका को दी जंग की धमकी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे तनाव में मौका देख रहे चीन ने अमेरिका को धमकी दी है कि अगर उसने ताइवान की आजादी का समर्थन किया तो दोनों महाशक्तियों के बीच सैन्य संघर्ष हो सकता है। दक्षिण चीन सागर में तनावपूर्ण माहौल के बीच अमेरिका में चीन के राजदूत किन गांग ने एक रेडियो इंटरव्यू में कहा कि ताइवान चीन और अमेरिका के बीच सबसे विस्फोटक मुद्दा है। गांग ने कहा कि ताइवान के अधिकारी अगर लगातार स्वतंत्रता की राह पर बढ़ते हैं तो इस बात की पूरी आंशका है कि अमेरिका और चीन की सेनाओं में संघर्ष हो सकता है। उधर चीन की इस धमकी पर अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा है कि वह अभी भी श्एक चीनश की नीति और अमेरिका ताइवान संबंध कानून पर कायम है। अमेरिका लंबे समय से ताइवान की बजाय चीन को मान्यता देता रहा है।

डेरा बुगती जिले में हुए दोहरे बम धमाकों में चार लोगों की मौत और कई घायल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में दो बम धमाकों में कई लोग की जान चली गई। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार बलूचिस्तान के डेरा बुगती में हुए दोहरे बम विस्फोटों में चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पाकिस्तान के डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार सुई तहसील में कृषि भूमि पर एक ट्यूबवेल रूम में लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस को रिमोट कंट्रोल से उड़ा दिया गया। विस्फोट में तीन पाकिस्तानी कर्मियों और बुगती कबीले के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। अभी तक किसी ने भी इन धमाकों की जिम्मेदारी नहीं ली है। सुई प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि विस्फोटों में चार लोगों की जान चली गई और आठ अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि कल रात के ब्लास्ट में ट्यूबवेल की दीवार का सौर पैनल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। बता दें कि बलूचिस्तान के केच जिले में सुरक्षा बल की एक चौकी पर आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में दस पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने के कुछ दिनों बाद यह अब घटना सामने आई है।

दुनिया में कोरोना के बाद अब जानलेवा नियोकोव वायरस ने दी दस्तक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केपटाउन। चीन के शोधकर्ताओं ने एक और नए वायरस नियोकोव का पता लगाया है। कहा जा रहा है कि ये कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक है। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इसे लेकर और अधिक स्टडी की जरूरत है। ये नया वायरस दक्षिण अफ्रीका में मिला है। यह काफी तेजी से फैलता है। वुहान यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह वायरस इंसान की कोशिकाओं में कोरोना वायरस की तरह ही दाखिल होता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक बार अपना रूप बदलने के बाद यह बेहद खतरनाक हो जाएगा। शोधकर्ताओं के अनुसार, मानव कोशिकाओं में घुसपैठ करने के लिए वायरस के लिए केवल एक म्यूटेशन की जरूरत होती है।

न्यूजीलैंड के पास केरमाडेक द्वीप क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके, 6.4 रही तीव्रता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के उत्तर में केरमाडेक द्वीप क्षेत्र (दक्षिण प्रशांत महासागर में) में भूकंप के तेज झटके देखने को मिले हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.4 आंकी गई है। यह जानकारी यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने शुक्रवार को दी । यूएसजीएस के अनुसार 6.6 की प्रारंभिक तीव्रता वाला भूकंप 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने कहा कि भूकंप से सुनामी उत्पन्न होने की उम्मीद नहीं है। फिलहाल किसी तरह के जानमाल को हुए नुकसान की सूचना नहीं है। यह दक्षिण प्रशांत महासागर में एक उपोष्णकटिबंधीय द्वीप चाप हैं जो न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप के उत्तर–पूर्व में 800–1,000 किमी (500–620 मील) और टोंगा के दक्षिण–पश्चिम में समान दूरी पर हैं। यह सबडक्शन जोन में स्थित है।

यूक्रेन की ओर से रूस में तबाही मचाने को तैयार हैं ड्रोन

रणभेरी

पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन और सुपरपावर रूस के बीच तलवारें खिंच गई हैं

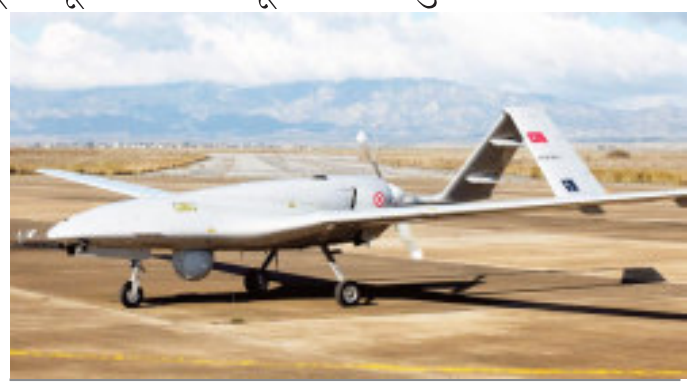

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कीव। पूर्वी यूरोपीय देश यूक्रेन और सुपरपावर रूस के बीच तलवारें खिंच गई हैं और कभी भी जंग की रणभेरी बजने का खतरा मंडरा रहा है। रूस ने अपने 1 लाख से ज्यादा सैनिकों को यूक्रेन की सीमा पर तैनात किया है। रूसी मिसाइलें, तोपें, टैंक, जंगी जहाज और अन्य घातक हथियार बिल्कुल अलर्ट हैं। यूक्रेन की मदद के लिए अब नाटो सदस्य देश तुर्की भी आ गया है और उसने आर्मीनिया में तबाही मचाने वाले अपने बयरकतार टीबीटी 2 ड्रोन की बड़े पैमाने पर यूक्रेन को सप्लाइ की है।

यूक्रेन के एयरफोर्स कमांड के प्रवक्ता कर्नल यूरी इग्नाती ने अल मॉनीटर से बातचीत में कहा, तुर्की का यह ड्रोन दुश्मन की तोपों पर बहुत सटीक हमला करता है और टैंकों की कॉलम को भी नष्ट कर देता है। यह बहुत अच्छी क्वालिटी का ड्रोन है जो रियट टाइम में हमला करता है और पूरी तरह से स्वचालित सिस्टम है। यह ड्रोन एक हथियार है जो मात्रा सेकंडों में हमला करने की ताकत रखता है। यह ड्रोन सक जासूस है। इसने यूक्रेन को अपने दुश्मन पर गुणवत्ता आधारित बढ़त दे दी है।

एर्दोगान के पसंदीदा दामाद की कंपनी बनाती है यह ड्रोनः यूक्रेन के सैन्य ड्रोन कार्यक्रम को चलाने वाले एक सैन्य अधिकारी ने कहा, श्रूस के सैनिकों के लिए इस ड्रोन से निपटना बहुत मुश्किल होगा। उन्होंने टीबीटी 2 ड्रोन को उड़ाने के लिए तुर्की में साल 2019 में 3 महीने की ट्रेनिंग ली है। तुर्की के इस ड्रोन को बायकर मकीना कंपनी बनाती है जिसे तुर्की के राष्ट्रपति तैयप रेसेप एर्दोगान के पसंदीदा दामाद सेलकूक बायरकतार चलाते हैं।

यूक्रेनी अधिकारी ने कहा कि हमारे पास अभी 20 टीबीटी 2 ड्रोन हैं लेकिन यह यहीं पर रुकने नहीं जा रहा है। उन्होंने कहा कि तुर्की के इन ड्रोन की वजह से हमारा आत्मविश्वास बढ़ गया है। इस पूरे संकट के बीच तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान 3 फरवरी को कीव की यात्रा पर जा रहे हैं। एर्दोगान यूक्रेन के अपने समकक्ष से मुलाकात करेंगे। तुर्की और यूक्रेन काला सागर के जरिए एक दूसरे जुड़े हुए हैं।

कंगाली की हालत से गुजर रहे तुर्की को उम्मीद है कि रक्षा और व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने का यह अच्छा मौका है। तुर्की ने क्रीमिया पर यूक्रेन के हक का समर्थन किया है। तुर्की के यूक्रेन का समर्थन करने के पीछे ऐतिहासिक कारण भी जिम्मेदार है।

एर्दोगान और पुतिन की दोस्ती खटाई पड़ेगी ?: रूस के पूर्ववर्ती सोवियत संघ के जमाने में तानाशाह स्टालिन ने लाखों टटार मुस्लिमों को देश से बाहर कर दिया था और उनमें से ज्यादातर तुर्की आए थे। तुर्की ने क्रीमिया पर रूस के कब्जे को अवैध करार दिया है। तुर्की यूक्रेन के नाटो में शामिल किए जाने का खुलकर समर्थन कर रहा है। वहीं पुतिन की अमेरिका और नाटो देशों से पहली मांग यही है कि यूक्रेन को नाटो में शामिल नहीं किया जाए।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक में रूस और यूक्रेन तनाव का साया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के तनातनी के बीच बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक पर भी राजनीति शुरू हो गई है। अमेरिका समेत पश्चिम के कई मुल्क बीजिंग में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक का बहिष्कार कर रहे हैं। इस विरोध के बीच पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान अगले सप्ताह बीजिंग ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए चीन की यात्रा पर जा रहे हैं। अमेरिका और पश्चिम मुल्क ने शुरू से ही आयोजन का विरोध कर रहे है। चीन में शीतकालीन ओलंपिक पर सियासत शुरू हो गई है। यूक्रेन और रूस के बीच शुरू हुई जंग का असर शीतकालीन ओलंपिक पर पड़ेगा। इसके क्या दूरगामी परिणाम होंगे।

प्रो. हर्ष वी पंत ने कहा कि अमेरिका और उसके मित्र देशों के राजनयिक बहिष्कार से शीतकालीन ओलंपिक खेलों की भव्यता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका के इस बहिष्कार के ऐलान से उसके खिलाड़ियों के खेलों में हिस्सा लेने पर रोक नहीं लगेगी। अमेरिका वर्ष 2028 में लास एंजिलिस में ओलंपिक का आयोजन करने जा रहा है। इस ऐलान के बाद अब सवाल उठने लगा है कि चीन कैसे अमेरिका को जवाब देगा।

चीन पाकिस्तान को दे सकता है हाइपरसोनिक मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। भारत के–एस400 की तैनाती से टेंशन में आया चीन इसकी काट के लिए अपने आर्थिक गुलाम पाकिस्तान को डीएफ–17 हाइपरसोनिक मिसाइलें बेच सकता है। भारत ने हाल ही में रूस से मिले अपने एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम को पाकिस्तान की सीमा के पास तैनात किया था। भारतीय एस–400 अप्रैल महीने से पूरी तरह से काम करना शुरू कर सकता है। विश्लेषकों के मुताबिक भारत को जवाब देने के लिए चीन एस–400 के शक्तिशाली रेडॉर की पकड़ में आसानी से नहीं आने वाली हाइपरसोनिक मिसाइल को या तो खुद या फिर उत्तर कोरिया के रास्ते पाकिस्तान को बेच सकता है।

पाकिस्तान की भारत के गेहूं पर अकड़ पड़ी ढीली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की गरीबी से बेहाल जनता के लिए भारत की ओर से भेजे जाने वाले गेहूं पर पाकिस्तानी अड़ंगा अब खत्म हो गया है। भारत का गेहूं अब फरवरी महीने के शुरुआती दिनों में पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के लिए रवाना होना शुरू हो जाएगा। पाकिस्तान ने कई महीने की टालमटोल के बाद अंततः भारतीय गेहूं को अफगानिस्तान जाने की अनुमति दे दी। यह अपने आप में दुर्लभ मौका होगा जब भारत से सीधे गेहूं पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान जाएगा।

पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून के मुताबिक पाकिस्तान अब तक भारत और अफगानिस्तान के बीच सीधे दो तरफा व्यापार की अनुमति नहीं देता रहा है। पाकिस्तान कहना है कि उसने अफगानिस्तान के खराब मानवीय हालात को देखते हुए केवल एक बार के लिए 50 हजार टन गेहूं भेजने की अनुमति दी है। यह गेहूं वाघा बार्डर के जरिए काबुल को भेजा जाएगा। इससे पहले पाकिस्थान ने भारतीय सहायता में अड़ंगा लगाते हुए कहा था कि यह गेहूं वह पाकिस्तानी ट्रकों पर लादकर संयुक्त राष्ट्र के बैनर तले अफगानिस्तान भेजने की अनुमति देगा। पाकिस्तान की इस नापाक चाल को भांपते हुए भारत ने एक और प्रस्ताव रख दिया। भारत ने कहा कि यह गेहूं वह या तो भारतीय अफगान ट्रकों के जरिए या फिर अफगान ट्रकों के जरिए भेजेगा। अब कई दौर की बातचीत के बाद सहमति यह बनी है कि भारतीय गेहूं अफगान ट्रकों में लादकर ले जाया जाएगा और अफगानिस्तान के ठेकेदारों की सूची को पाकिस्तान के साथ साझा किया जाएगा।

भारतीय गेहूं अफगान ट्रकों में लादकर ले जाया जाएगा

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता असीम इफ्तिखार ने बताया कि सभी व्यवस्था कर ली गई है और पाकिस्तान भारत से भेजे जाने वाले पहले गेहूं से लदे ट्रकों की डेट का इंतजार कर रहा है।

स्पेस में घूम रहे चीन के एसजे21 सैटेलाइट से खौफ में अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। स्पेस टग, वे स्पेसक्राफ्ट होते हैं जिन्हें निष्क्रिय सैटेलाइट को एक ऑर्बिट से निकालकर दूसरी ऑर्बिट तक ले जाने के लिए डिजाइन किया जाता है। लेकिन अगर ये स्पेसक्राफ्ट ऐसा कुछ करने के लिए डिजाइन किए जाते हैं तो ये दूसरी स्पेस एजेंसी के सक्रिय उपग्रह को भी अपने पथ से विचलित कर सकते हैं। द ड्राइव की रिपोर्ट से पता चलता है कि एक चीनी स्पेस टग सैटेलाइट शिजियन –21 (एसजे –21) ने देश के अन्य उपग्रहों में से एक को पकड़ लिया और इसे अपनी कक्षा से सुपर ग्रेवयार्ड ड्रिफ्ट ऑर्बिट में खींच ले गया। इस नई रिपोर्ट ने अमेरिकी अधिकारियों की चिंता को बढ़ा दिया है। उनका मानना है कि यह तकनीक दूसरे देशों के सैटेलाइट मिशन में बाधा पहुंचा सकती है। 22 जनवरी को सैटेलाइट ट्रैकिंग फर्म एक्सोएनालिटिक सॉल्यूशंस, जिसे यूएस स्पेस फोर्स को डेटा प्रदान करने के लिए 2021 में एक कॉन्ट्रैक्ट से सम्मानित किया गया था, ने देखा कि एस–जे21 अपनी मूल कक्षा से गायब हो गया है।